सर्वनाम

नाम या संज्ञा के बदले प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
इन सर्वनामों में संज्ञा के समान ही प्रायः कारक चिह्न लगते है। हिंदी में प्राय: सर्वनामों का प्रयोग बहुत अधिक मात्रा में लिया जाता है।
जैसे -- मैं, तू वह, हम आदि
कारक चिह्न लगने के बाद...
1] मैंने पुस्तक खरीद ली।
2] वह स्कूल जा रहा है।
3] उसके पिता बिमार है।
4] हमने खाना खाया।
इन वाक्यों में नाम के स्थान पर आनेवाले मैंने, वह, उसके, हमने ये शब्द सर्वनाम है।

सर्वनाम के भेद

1] पुरुष वाचक सर्वनाम
2] निश्चिय वाचक सर्वनाम
3] अनिश्चय वाचक सर्वनाम
4] निजवाचक सर्वनाम
5] संबंध वाचक सर्वनाम
6] प्रश्न वाचक सर्वनाम

1] पुरुष वाचक सर्वनाम -- जो सर्वनाम शब्द किसी पुरुष के नाम के स्थान पर प्रयुक्त हो। जैसे- मैं, वह, तुम, मेरा, मुझको, हम, हमारा, हमें, तुम, तुम्हारा, तेरा, आप, आपका, वह, वे, उसकी, उसका, उनका, उनकी, इसका, इसकी आदि ।
उपभेद **--**
अ**]** उत्तम पुरुष **:--** बात कहनेवाला अथवा वक्ता उत्तम पुरुष होता है। जैसे - मै, हम
आ**]** मध्यम पुरुष **:--** बात सुननेवाला अथवा श्रोता मध्यम पुरुष होता है। जैसे -- तू, तुम
इ**]** अन्य पुरुष **:--** वक्ता और श्रोता से अन्य जिसके विषय में बातचित की जाती है वह अन्य पुरुष कहलाता है। जैसे -- वह वे

2] निश्चय वाचक सर्वनाम -- जब किसी व्यक्ति या पदार्थ का निश्चित रुप से पता लग जाता है तो उसे संकेत करने के लिए 'यह' और 'वह' सर्वनाम प्रयोग किए जाते हैं। (यह ये यह वे) पास के लिए यह और दूर के लिए 'वह' सर्वनाम प्रयुक्त होता है।
इसी प्रकार इसी, उसी, इन, उन, इन्हे, उन्हे इसे, उसे आदि शब्द भी निश्चय वाचक सर्वनाम है।

3] अनिश्चय वाचक सर्वनाम :-- सर्वनाम के अनिश्चित रूप बतानेवाले को अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसमें प्रयुक्त होनेवाले शब्द है -- कोई और कुछ

4] निज वाचक सर्वनाम -- निजबोधक या वाचक सर्वनाम उसे कहते है जो शब्द अपने आप का, स्वयं का या खुद का बोध कराता हो। इस सर्वनाम के अंतर्गत आप, खुद, स्वयं समान अर्थ वाले शब्द है।
जैसे -- वह आप (अपने आप) आाएगा |
वह खुद आएगा।
वह स्वयं आएगा।
'आप' और 'आप' से बननेवाले शब्द भी निजबोधक सर्वनाम के अंतर्गत आते है। जैसे -- अपना, अपनी, अपने
सीता ने अपना पाठ याद किया ।
राम अपने घर चला गया।
मैंने अपनी पुस्तक पढ़ी

By Dr. Sangita Chitrakoti

5] आदरवाचक सर्वनाम : किसी का आदर करने के लिए जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग होता है उसे आदरसूचक सर्वनाम कहते है। 'आप' आदर सूचक सर्वनाम का प्रयोग बहुवचन में होता है। आप के रूप - आपने, आपको, आपसे आपका आपकी, आपके आपमें आदि ।

6] सम्बन्ध वाचक सर्वनाम-- जो सर्वनाम शब्द एक दूसरे के साथ सम्बन्ध का बोध कराते हैं । जैसे- जो, सो, जिसकी, उसकी, उतना, जितना, जैसा, वैसा आदि ।

उदा. -- यह वही लड़का है जो दसवी में अव्वल आया था।

जो होना था सो हो गया।

जो पढ़ेगा सो पास होगा।

7] प्रश्न वाचक सर्वनाम--

जिस सर्वनाम से प्रश्न का बोध हो उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है जैसे- क्या, कौन, प्रश्नवाचक सर्वनाम है।

उदाहरण -- कौन आया है?

सीता तुम क्या कर रही हो?

इन वाक्यों में कौन और क्या प्रश्न पुछने का काम कर रहे है इसलिए वे प्रश्न बोधक सर्वनाम है ।

'क्या' शब्द एकवचन और बहुवचन दोनों में वही रहता है।

जैसे - तूने क्या पाया?

आपने क्या पाया ?

यह क्या दोनों वचनो में प्रयुक्त होता हैकिन्तु कभी कभी इसके बहुवचन को अधिक स्पष्ट करने के लिए क्या शब्द को दो बार प्रयुक्त किया जाता है।

जैसे -- आप बाजार से क्या क्या लाए?

आपने मेले में क्या क्या खरिदा ?

इसके कई रूप बनते है -- कौन, किसने, किसे, किसको, किसका, किस पर, किन्हे आदि

सर्वनामों की कारक रचना

उत्तम पुरुष 'मै' की कारक रचना

कारक	चिह्न	एकवचन	बहुवचन
कर्ताकारक	ने	मैंने	हमने
कर्मकारक	को	मुझको	हमको
करणकारक	से	मुझसे	हमसे
संप्रदान कारक	के लिए	मेरे लिए	हमारे लिए
अपादान कारक	से	मुझसे	हमसे
संबंध कारक	का, की, के, र, री, रे	मेरा, मेरी, मेरे	हमारा, हमारी, हमारे
अधिकरण कारक	में, पर	मुझमें	हममें
संबोधन कारक	हे, अरे, अजी	---	---

मध्यम पुरुष 'तू' की कारक रचना

कारक	चिह्न	एकवचन	बहुवचन
कर्ताकारक	ने	तूने	तुमने
कर्मकारक	को	तुझको	तुमको
करणकारक	से	तुझसे	तुमसे
संप्रदान कारक	के लिए	तेरे लिए	तुम्हारे लिए
अपादान कारक	से	तुझसे	तुमसे
संबंध कारक	का, की, के, र, री, रे	तेरा, तेरी, तेरे	तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारे
अधिकरण कारक	में, पर	तुझमें	तुममें
संबोधन कारक	हे, अरे, अजी	---	---

आदरवाचक 'आप' की कारक रचना

कारक	चिह्न	एकवचन	बहुवचन
कर्ताकारक	ने	आपने	आप लोगों ने
कर्मकारक	को	आपको	आप लोगों को
करणकारक	से	आपसे	आप लोगों से
संप्रदान कारक	के लिए	आपके लिए	आप लोगों के लिए
अपादान कारक	से	आपसे	आप लोगों से
संबंध कारक	का, की, के, र, री, रे	आपका, आपकी, आपके	आप लोगों का लोगों की, लोगों के
अधिकरण कारक	में, पर	आप में	आप लोगों में
संबोधन कारक	हे, अरे, अजी	--	---

निकटवर्ती 'यह' की कारक रचना

कारक	चिह्न	एकवचन	बहुवचन
कर्ताकारक	ने	इसने	इन्होंने
कर्मकारक	को	इसको	इनको
करणकारक	से	इससे	इनसे
संप्रदान कारक	के लिए	इसके लिए	इनके लिए
अपादान कारक	से	इससे	इनसे
संबंध कारक	का, की, के, र, री, रे	इसका, इसकी, इसके	इनका, इनकी, इनके
अधिकरण कारक	में, पर	इसमें	इनमें
संबोधन कारक	हे, अरे, अजी	----	---

दूरवर्ती 'वह' की कारक रचना

कारक	चिह्न	एकवचन	बहुवचन
कर्ताकारक	ने	उसने	उनसे
कर्मकारक	को	उसको	उनको
करणकारक	से	उससे	उनसे
संप्रदान कारक	के लिए	उसके लिए	उनके लिए
अपादान कारक	से	उससे	उनसे
संबंध कारक	का, की, के, र, री, रे	उसका, उसकी, उसके	उनका, उनकी, उनके
अधिकरण कारक	में, पर	उस पर	उन पर
संबोधन कारक	हे, अरे, अजी	---	---

By Dr. Sangita Chitrakoti

प्रश्नवाचक कौन की रचना

कारक	चिह्न	एकवचन	बहुवचन
कर्ताकारक	ने	किसने	किन्होंने
कर्मकारक	को	किसको	किनको
करणकारक	से	किससे	किनसे
संप्रदान कारक	के लिए	किसके लिए	किनके लिए
अपादान कारक	से	किससे	किनसे
संबंध कारक	का, की, के, र, री, रे	किसका, किसकी, किसके	किनका, किनकी, किनके
अधिकरण कारक	में, पर	किसमें	किनमें
संबोधन कारक	हे, अरे, अजी	---	---

By Dr. Sangita Chitrakoti